अमर उजाला 04/11/2026

टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने पर जोर

कानपुर। ग्रामीण भारत को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए पुनर्योजी कृषि, जल संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना जरूरी है। इससे न केवल मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह विचार सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने लखनऊ के ताज होटल में आयोजित क्षेत्रीय ग्रामीण-भारत शिखर सम्मेलन में व्यक्त किए। कुलपति ने टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। सम्मेलन में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, प्रो. अशोक गुलाटी, डॉ. अनिल प्रकाश जोशी और आईआईटी निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल मौजूद रहे। (ब्यूरो)

स्वतंत्र हित
सच जन जन तक
हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

जलवायु परिवर्तन से मुकाबले में पुनर्योजी कृषि की अहम भूमिका : डॉ. संजीव गुप्ता



स्वतंत्र हित संवाददाता

कानपुर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय ग्रामीण-भारत शिखर सम्मेलन में कृषि और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। ताज होटल में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की ओर से आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य विषय जलवायु शमन एवं अनुकूलन के लिए पुनर्योजी कृषि, जल और ऊर्जा रहा। अपने संबोधन में कुलपति डॉ. गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को टिकाऊ और मजबूत बनाना जरूरी है। इसके लिए पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को व्यापक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य में सुधार, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि खेती में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देकर किसानों की उत्पादकता और ग्रामीण क्षेत्रों की जलवायु सहनशीलता बढ़ाई जा सकती है। सम्मेलन में कृषि, जल संरक्षण और ऊर्जा के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, पद्मश्री प्रो. अशोक गुलाटी, पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह तथा आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मुनीन्द्र अग्रवाल समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

Title-code: UPHIN-46963 !! श्री शिवाय नमस्तुभ्यं !! E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

सत्यमेव जयते • निष्पक्ष • विश्वसनीय

संपादक: जितेंद्र सिंह पटेल
कार्यालय: 745 उत्तम विहार बैरी, कल्याणपुर, कानपुर नगर 208017
मोबाइल: 9956 834016

4 नवम्बर बुधवार 2026 मोबाइल नंबर 9956 834016

सीएसए के कुलपति ने क्षेत्रीय ग्रामीण-भारत शिखर व्याख्यान, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहे मौजूद



लखनऊ के होटल ताज में क्षेत्रीय ग्रामीण-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, मंच पर उपस्थित कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

लखनऊ।

चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने मंगलवार को लखनऊ के होटल ताज में आयोजित "क्षेत्रीय ग्रामीण-भारत शिखर सम्मेलन" में मुख्य व्याख्यान देते हुए सतत कृषि एवं जलवायु अनुकूलन पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पुनर्योजी कृषि (Regenerative Agricuture), जल संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा का समन्वय आवश्यक है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि सीएसए कानपुर किसानों के साथ मिलकर प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं कम लागत की तकनीकों पर निरंतर कार्य कर रहा है, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास व कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंनें सीएसए के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ि वैज्ञानिकों और किसानों के सहयोग से ही उत्तर प्रदेश को कृषि में आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। यह शिखर सम्मेलन आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें वैज्ञानिकों, नीति निर्माओं और कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन से कृषि पर पड़ने वाले प्रभवों, जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण एवं ग्रामीण उद्यमिता पर विस्तृत चर्चा हुई।